भारत कल, आज और कल

चन्द्र शेखर पसरीचा
मण्डल प्रमुख, पंजाब नैशनल बैंक
मण्डल कार्यालय, हरिद्वार

भारतीय समाज, संसार की सामाजिक सभ्यताओं में एकमात्र ऐसा समाज है जिसे कभी भी कातिल या हत्यारे की नजर सेा समाज, संसार की सामाजिक सभ्यताओं में एकमात्र ऐसा समाज है जिसे कभी भी कातिल या हत्यारे की नजर से नहीं देखा गया। अपने 10000 वर्षो से भी अधिक के इतिहास में भारत द्वारा किसी पर भी आक्रमण नहीं किया गया। भारत 17वीं शताब्दी में ब्रिटिशों के आने से पूर्व धरती का सबसे समृद्ध देश था। यह अनुमान है कि अंग्रेजों द्वारा अपने शासनकाल के समय 1901 तक लगभग 1 बिलियन पाऊंड लूटे गए जिसका आज के आधार पर वास्तविक मूल्य 1 ट्रिलियन डालर से भी अधिक है। भारत के इतिहास के पन्नों की नजर में :

वैदिक सभ्यता
इंडस एवं सरस्वती सभ्यता
जैन धर्म एवं बुद्ध धर्म का उदय
मौर्य शासनकाल
भारतीय कला एवं विज्ञान का सुनहरा युग
मुस्लिम आक्रमण
मुगल साम्राज्य
पुर्तगाली आक्रमण
ब्रिटिश ईस्ट - इंडिया कम्पनी
अंग्रेजी शासन काल
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम
स्वतंत्रता
आज का भारत
भविष्य का भारत

- भारतीय वैज्ञानिक श्री आर्यभट्ट द्वारा अंकों एवं डेसिमल पद्धति का 100 ईसा वर्ष पूर्व विकास आर्य भट्ट जी द्वारा किया गया।
- गणितज्ञ भी आर्यभट्ट, वह प्रथम व्यक्ति थे जिनके द्वारा 499 ईसा पूर्व धरती की सही गति की जानकारी, साईज, आकार व्यास एवं आवर्तन की जानकारी संसार को प्रदान की गई।
- आर्युवेद मानव जाति के सबसे पहला डाक्टरी का स्कूल था जिसे आर्युवेद के पिता श्री चरक द्वारा 2500 वर्ष पूर्व रचा गया था। आज के सभ्य युग में आयुर्वेद तेजी के साथ अपना स्थान बना रहा है।
- आज से 2600 वर्ष पूर्व सर्जरी के पिता महाऋषि सुश्रुत्रा द्वारा की। उन्होंने उस समय सीजेरियन, मोतिया, कृत्रिम अंग, अस्थिभंग, मूत्र मार्ग के स्टोन और यहाँ तक की प्लास्टिक सर्जरी तक की।
- शरीर के किसी अंग को चेतना शून्य करने की पद्धति से प्राचीन भारत भली भांति परिचित था। उस समय भी 125 से अधिक सर्जिकल उपकरणों का प्रयोग किया जाता था।

- संसार का प्रथम विश्वविद्यालय 700 ईसा पूर्व भारत के तक्षशिला में स्थापित किया गया जिसमें पूरे संसार के विद्यार्थी 60 से भी अधिक विषयों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे। चौथी शताब्दी में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में प्राचीन भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि थी।
- क्रिस्टोफर कोलम्बस भारतीय ऐश्वर्य से बहुत आकर्षित हुआ था इसलिए जब गलती से अमेरिका महाद्वीप की खोज हुई तो वह वहाँ से भारत का रास्ता ढूंढ रहा था।
- पांचवी शताब्दी में भास्कराचार्य द्वारा सूर्य की परिक्रमा में पृथ्वी द्वारा लिए जाने वाले सही समय 365.258756484 दिनों की गणना की।
- सकारात्मक एवं नकारात्मक संख्याएं एवं उनकी गणना की सही जानकारी ब्रहगुप्ता द्वारा अपनी पुस्तक ब्रह्गुप्ता सिद्धान्त में सर्वप्रथम की।

आज 29 राज्यों व 9 संघ शासित प्रदेशों के साथ कुल 3.28 मिलियन स्क्वायर किलोमीटर में फैला है मेरा भारत विशाल। 7516 किलोमीटर लम्बी समुंद्री सीमा इसकी विशालता का एक और प्रमाण है। जिसकी सभ्यता 10000 वर्षो से भी अधिक पुरानी है तथा विभिन्न विषमताओं के साथ जो इस बात से परिलक्षित होती है कि हमारे देश में 325 भाषाएँ बोली जाती हैं जिसमें से 20 भाषाएं संविधान में राजकीय कामकाज के लिए प्राधिकृत हैं, भी जीवित हैं। इस समय हमारे भारत विशाल की जनसंख्या 1.3 बिलियन के लगभग है। 1.5 मिलियन की फौजी ताकत के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है मेरा भारत। हमारे देश का प्रजातंत्र संसार का सबसे बड़ा प्रजातंत्र है। आज हमारे देश का जीडीपी 8 प्रतिशत की दर से बढ़ती हुई 587 बिलियन डालर पर पहूँच चुकी हैं जो कि अर्थव्यवस्था के हिसाब से संसार की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जीडीपी की इसी दर से मेरा भारत 2016 तक इटली, 2019 तक फ्रांस, 2022 तक यू.के., 2023 तक जर्मनी एवं 2032 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए 2050 तक 27 ट्रिलियन डालर के साथ अमेरिका एवं चीन के बाद संसार का तीसरा बड़ा देश बन जाएगा।

हमारे देश में शिक्षित लोगों का स्तर तीव्र गति से बढ़ रहा है 1980 के दशक तक जहाँ केवल 44 प्रतिशत लोग शिक्षित थे वहीं 2000 तक यह स्तर 65 प्रतिशत पर पहुंच गया है। इस समय देश में लगभग 250 विश्वविद्यालय, 1500 से अधिक रिसर्च संस्थान और 10,428 से अधिक उच्च शिक्षा केन्द्र प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक इंजीनियर एवं 3 लाख से अधिक अन्य तकनीकी स्नातक तैयार कर रहे हैं। इसके साथ् - साथ 2 लाख अन्य स्नातक हर वर्ष हमारे देश की शिक्षा पद्धति तैयार करती हैं। इस समय मेरे देश के पास इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की संख्या संसार में दूसरे नम्बर पर है। विश्व स्तर के हिसाब से हमारे देश के आई.टी., बायो-टैक्नालॉजी और अंतरिक्ष के इंजीनियर अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। आइये अकेले अमेरिका में भारतीयों की संख्या पर एक नजर डालें।

38% डाक्टर भारतीय
12% वैज्ञानिक भारतीय
36% नासा के वैज्ञानिक भारतीय
34% माईक्रॉसॉफ्ट के कर्मचारी भारतीय
28% आईबीएम के कर्मचारी भारतीय
17% इंटेल के वैज्ञानिक भारतीय
13% जेरोक्स के कर्मचारी भारतीय

अमेरिका में रह रहे 1.5 मिलियन भारतीयों में से पांचवा हिस्सा सिलिकोन वैली में रहते हैं। सिलिकोन वैली में 35 प्रतिशत भारतीय हैं। आज अमेरिका में पढ़ रहे विदेशी विद्यार्थियों में से भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है। आइये, एक नजर भारत की आत्मनिर्भरता पर डालें।

- आज भारत संसार के उन छः देशों में से एक है जिन्होंने अपना सेटेलाईट छोड़ा है। इसके साथ भारत ने यह जर्मनी, बैल्जियम, साऊथ कोरिया, सिंगापुर के साथ अन्य यूरोपीय देशों के लिए भी किया है।
- भारतीय इंसैट संचार का विशालतम घरेलू संसार सूचना सेटेलाइट सिस्टम है।
- कल्पना चावला कोलम्बिया स्पेस शटल के उन सात अभागे अंतरिक्ष यात्रियों में से एक थी जो 1 फरवरी, 2003 को धरती पर उतरने के अपने निर्धारित समय से मात्र 16 मिनट पहले टैक्सास के आकाश में टुकड़े-टुकड़े हो गया था। कल्पना चावला दूसरी भारतीय अंतरिक्ष यात्री थी।
- सन् 1968 तक हमारे देश को देश के लोगों के लिए 9 मिट्रिक टन खाद्य पदार्थो का आयात करना पड़ता था, परन्तु आज न केवल हमारा देश आत्मनिर्भर है अपितु हमारे देश के पास 60 मिट्रिक टन का विशाल खाद्य भण्डार भी उपलब्ध है।
- 1987 में अमेरिका के द्वारा हमारे देश को क्रे कम्प्यूटर बेचने से मना कर दिया तो मेरे भारत विशाल के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरों ने अपने सुपर कम्प्यूटर का निर्माण प्रारम्भ किया। आज हमारा देश संसार के उन तीन देशों में से एक है जिसके पास अपना बनाया सुपर कम्पयूटर है। हमारे देश के अतिरिक्त अन्य दो देश अमेरिका एवं जापान हैं। हमारे देश द्वारा बनाया "परम पदमा" टेरास्केल सुपर कम्पयूटर जो कि एक सैकंड में 1 ट्रिलियन संख्याओं की गणना करने में सक्षम है, संसार में केवल चार देशों के पास ही उपलब्ध है।
- मेरा भारत संसार के 11 देशों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है।
- हमारे देश द्वारा वर्ल्ड बैंक एवं एशियन विकास बैंक द्वारा दिए ऋण में से 3 बिलियन डालर का समय पूर्व भुगतान कर दिया है।
- भारतीय दवा कम्पनियों का व्यवसाय 8-10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ता हुआ 6.5 बिलियन डालर के साथ संसार में चौथे स्तर पर हैं जो कि 2008 तक 12 बिलियन डालर पर पहुँचने का अनुमान है। दवा के क्षेत्र में भारतीय निर्यात 2 बिलियन डालर से भी अधिक है।
- इस समय देश में 5600 दैनिक, 15000 साप्ताहिक और 20000 पाक्षिक समाचार पत्र 21 भाषाओं में प्रकाशित किए जाते हैं जिनका कुल परिचालन 142 मिलियन के लगभग है।
- इस समय देश में लगभग 200 काल सैंटर कार्य कर रहे हैं जिसमें 1,50,000 कर्मचारियों द्वारा दो बिलियन डालर का टर्नओवर किया जाता है।
- हमारे देश का घरेलू बीपीओ सैक्टर जो 2004 तक 4 बिलियन डालर है 2010 तक बढ़कर 65 बिलियन डालर पहुँचने का अनुमान है।
- भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान संसार के तीन सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक हैं।

आज के भारत की धर्मनिरपेक्षता के इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है हमारे प्रजातंत्र की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की अध्यक्ष एक औरत है जो कि इटली में पैदा हुई। वह एक क्रिश्चियन है। देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री मनमोहन सिंह है जो कि सिक्ख जाति के हैं। देश के पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हैं जो कि एक मुस्लिम हैं। जबकि हमारे भारत विशाल की 82 प्रतिशत से अधिक आबादी हिन्दू है।

मैं संसार के सभी देशों से पूछता हूँ कि किस देश में इतनी सहनशक्ति है जो अपने देश के राजनीतिक नेतृत्व में इतनी भिन्नता रखता हो। यह है मेरे भारत के विशाल हृदय और उसकी विशालता का जीता जागता उदाहरण।

मेरे सपनों के भारत में शिक्षा का स्तर 2000 के 65 प्रतिशत से 2020 तक बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएँ। जिससे हम सभ्यता से पूरे संसार पर राज्य करें और अपने भारत विशाल को पुनः शिक्षा के केन्द्र के रूप में देखे। हमारे देश में गरीबी रेखा से नीचे निवास करने वालों की संख्या जो 1980 में 44 प्रतिशत के स्तर से घटते हुए 2000 में 26 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है वह दिन दूर नहीं जब मेरे भारत से गरीबी पूरी तरह समाप्त हो जाएगी एवं यह पुनः इस धरती का सबसे समृद्ध राष्ट्र होगा।

मेरा भारत अपने सपनों को आजादी से प्रगति तक पूरा करता आया है। अब आज के भारत का सपना विश्व के सब देशों के सामने अपने आप को सम्मान पूर्वक खड़ा करना है आज केवल एक ताकतवर ही दूसरे ताकतवर का सम्मान करता है इसलिए मेरा यह सपना है कि मेरा भारत अपनी न केवल अपनी सैन्य शक्ति में विश्व के मजबूत/ताकतवर देशों में से एक हो अपितु आर्थिक दृष्टि से और शिक्षा की दृष्टि से भी विश्व का सबसे मजबूत राष्ट्र हो। विश्व में भारत के पास ही अपनी 1.3 बिलियन जनसंख्या में से 800 मिलियन जनसंख्या देश के युवा एवं कार्यशक्ति से परिपूर्ण है। और यह ताकत वर्ष 2050 तक लगभग ऐसे ही बने रहने का अनुमान है। आइये, हम सब मिल कर यह प्रयास करें।

जय हिन्द - जय भारत

***